HINDI

Maximum Marks : 80

Time Allowed : Three Hours

---

*(Candidates are allowed **additional 15 minutes** for **only** reading the paper.*
*They must **NOT** start writing during this time.)*

---

*Answer questions **1, 2 and 3** in **Section A** and **four** other questions from **Section B** on*
***any three** out of the four prescribed textbooks.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION A
LANGUAGE — 40 Marks

Question 1 **[15]**

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any ONE of the topics given below.

किसी एक विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए जो लगभग 400 शब्दों से कम न हो।

(i) 'प्रकृति माँ के समान हमारा पालन-पोषण ही नहीं करती बल्कि एक कुशल शिक्षिका की भाँति हमें जीवन की महत्त्वपूर्ण शिक्षा भी देती है।' प्रकृति से मिलनेवाली कुछ सीखों का वर्णन करते हुए लिखिए कि किस प्रकार इन सीखों को अपनाकर हम अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकते हैं।

(ii) कल्पना कीजिए कि आप सीमा पर तैनात एक सिपाही हैं। परिवार तथा देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आप कैसा महसूस करते हैं ? आप अपने परिवार तथा देशवासियों से किस प्रकार के सहयोग की अपेक्षा करते हैं ? समझाकर लिखिए।

(iii) आपकी दादी एक लम्बी बीमारी के बाद अभी-अभी स्वस्थ हुई थीं। आप उन्हें घुमाने के लिए किसी प्रसिद्ध स्थल पर ले गए। वहाँ अचानक एक ऐसी घटना घटी जिससे आप बुरी तरह से घबरा गए लेकिन आपकी दादी की हिम्मत और सूझ-बूझ के कारण आप उस मुसीबत से बाहर निकले और सकुशल घर वापस आ गए। विस्तारपूर्वक अपने अनुभव का वर्णन कीजिए।

This Paper consists of 11 printed pages and 1 blank page.

© *Copyright reserved.*

(iv) 'उपहार देना प्यार जताने और सम्मान करने का परिचायक है पर वर्तमान में उपहार का स्वरूप प्यार कम, व्यापार अधिक हो गया है।' — इस कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत कीजिए।

(v) पहले अपने गली-मोहल्ले की दुकानों से खरीदारी की जाती थी पर अब 'ऑनलाइन' खरीदारी का प्रचलन बढ़ता जा रहा है। इस परिवर्तन का समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है ? समझाकर लिखिए।

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर मौलिक कहानी लिखिए :

(a) 'कर्जमुक्त मनुष्य ही सबसे सुखी मनुष्य होता है।'

(b) निम्नलिखित वाक्य से अंत करते हुए एक कहानी लिखिए :

'.................. और मैं चाह कर भी उस कारुणिक दृश्य को भुला नहीं पाया/पायी।'

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए दिए गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए।

कैसोवैरी चिड़िया जंगल में एक पेड़ के कोटर में रहती थी। वह बचपन से ही बाकी चिड़ियों से अलग थी इसलिए बाकी चिड़ियों के बच्चे उसे हमेशा चिढ़ाते थे।

कोई कहता, "जब तू उड़ नहीं सकती तो चिड़िया किस काम की ?", तो कोई उसे पेड़ की डाल पर बैठकर चिढ़ाता, "अरे ! कभी हमारे पास भी आ जाया करो। जब देखो जानवरों की तरह नीचे चरती रहती हो", और ऐसा बोलकर सब-के-सब खूब हँसते।

कैसोवैरी उनकी बातें सुनकर मन मसोसकर रह जाती पर किसी से कुछ कह नहीं पाती थी। शुरू-शुरू में वह इन बातों का बुरा नहीं मानती थी लेकिन किसी भी चीज की एक सीमा होती है।

बार-बार चिढ़ाए जाने से उसका दिल टूट गया। वह उदास बैठ गयी और आसमान की तरफ देखते हुए बोली, "हे ईश्वर, तुमने मुझे चिड़िया क्यों बनाया ? और बनाया तो मुझे उड़ने की काबिलियत क्यों नहीं दी ? देखो सब मुझे कितना चिढ़ाते हैं। अब मैं यहाँ एक पल भी नहीं रह सकती, मैं इस जंगल को हमेशा-हमेशा के लिए छोड़ कर जा रही हूँ।" ऐसा कहते हुए कैसोवैरी चिड़िया थोड़ा आगे बढ़ गई।

अभी वह कुछ ही दूर गई थी कि पीछे से एक भारी-भरकम आवाज़ आई–"रुको कैसोवैरी! तुम कहाँ जा रही हो ?"

आजतक किसी ने भी कैसोवैरी के साथ इतने अच्छे से बात नहीं की थी। उसने आश्चर्य से पीछे मुड़ कर देखा, वहाँ खड़ा जामुन का पेड़ उससे कुछ कह रहा था।

"कृपया तुम यहाँ से मत जाओ, हमें तुम्हारी ज़रूरत है। पूरे जंगल में हम सबसे अधिक तुम्हारी वजह से ही फल-फूल पाते हैं। वह तुम ही हो जो अपनी मजबूत चोंच से फलों को अन्दर तक खाती हो और हमारे बीजों को पूरे जंगल में बिखेरती हो। हो सकता है बाकी चिड़ियों के लिए तुम मायने ना रखती हो लेकिन हम पेड़ों के लिए तुमसे बढ़कर कोई दूसरी चिड़िया नहीं है। मत जाओ, तुम्हारी जगह कोई और नहीं ले सकता।"

पेड़ की बातों ने कैसोवैरी के दिल को छुआ। उसकी बातें सुनकर आज पहली बार उसे जीवन में यह एहसास हुआ कि वह इस धरती पर बेकार में मौजूद नहीं है। भगवान ने उसे एक बेहद ज़रूरी काम के लिए भेजा है और सिर्फ बाकी चिड़ियों की तरह न उड़ पाना कहीं से उसे छोटा नहीं बनाता। आज कैसोवैरी चिड़िया बहुत खुश थी। वह खुशी-खुशी जंगल में लौट गई।

कैसोवैरी चिड़िया की तरह ही कई बार हम इंसान भी औरों को देखकर खुद में लघुता का अनुभव करते हैं। हम अपने पास की चीज़ों को महत्ता न देकर, ये सोचते हैं कि विधाता ने हमें वे चीजें क्यों नहीं दीं, जो दूसरों के पास हैं। ऐसी स्थिति में हम खुद को दीन-हीन और दूसरों को सौभाग्यशाली मानकर विधाता को कोसने लगते हैं।

हमें कभी भी बेकार की तुलना में नहीं पड़ना चाहिए। हर एक इंसान अपने आप में अनोखा है और अलग है। हर किसी के अन्दर कोई-न-कोई बात है जो उसे ख़ास बनाती है। हो सकता है कि वह

पूरी दुनिया के लिए बस एक इंसान हो लेकिन किसी एक के लिए वह पूरी दुनिया हो सकता है। जीवन की महत्ता को समझकर, उसे सकारात्मक सोच का उपहार देकर हम अपने इस अमूल्य जीवन को और बेहतर बना सकते हैं।

प्रश्न :—

(i) कैसोवैरी चिड़िया सबसे अलग कैसे थी ? बाकी चिड़ियों का व्यवहार उसके साथ कैसा था ? [3]

(ii) कैसोवैरी को किससे, क्या शिकायत थी ? उसकी यह शिकायत कैसे दूर हुई ? [3]

(iii) हम अपनी ज़िन्दगी को कैसे बेहतर बना सकते हैं ? गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए :

"कृपया तुम यहाँ से मत जाओ, हमें तुम्हारी ज़रूरत है। पूरे जंगल में हम सबसे अधिक तुम्हारी वजह से ही फल-फूल पाते हैं।"

(a) इस कथन के आधार पर जामुन के पेड़ की किन विशेषताओं का पता चलता है ? [1]

(1) नम्रता और प्रेम

(2) अहंकार और दया

(3) करूणा और क्रोध

(4) धैर्य और गर्व

(b) कैसोवैरी के किस काम की वजह से जामुन का पेड़ फलता-फूलता था ? [1]

(1) उसके जामुन न खाने से

(2) उसके कोटर में रहने से

(3) उसके जंगल में बीज बिखेरने से

(4) उसके न उड़ पाने से

(c) कैसोवैरी पर जामुन के पेड़ की बातों का क्या प्रभाव पड़ा ? [1]

(1) वह गुस्सा हो गई।

(2) उसे अपनी पहचान मिली।

(3) उसने जंगल छोड़ दिया।

(4) वह उड़ना सीखने लगी।

(v) निम्नलिखित पंक्तियों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प चुनिए :

"पेड़ की बातों ने कैसोवैरी के दिल को छुआ। उसकी बातें सुनकर आज पहली बार उसे जीवन में यह एहसास हुआ कि वह इस धरती पर बेकार में मौजूद नहीं है।"

(a) 'दिल को छुआ' – पंक्ति से क्या आशय है ? [1]

(1) भाव-विभोर होना।

(2) मन दुखी होना।

(3) मन में निराशा उत्पन्न होना।

(4) मन उदासीन होना।

(b) "...... वह इस धरती पर बेकार में मौजूद नहीं है।" – पंक्ति से कैसोवैरी के मन के किस भाव का पता चलता है ? [1]

(1) उदारता का भाव

(2) लघुता का भाव

(3) आत्मीयता का भाव

(4) आत्मविश्वास का भाव

(c) 'मौजूद' शब्द गद्यांश में किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है ? [1]

(1) अस्तित्व के सन्दर्भ में

(2) मायूसी के सन्दर्भ में

(3) झुँझलाहट के सन्दर्भ में

(4) प्रताड़ना के सन्दर्भ में

Question 3

(A) Do as directed :

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए। [1]

मैं सायंकाल के समय आया था।

(ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए। [1]

चुनाव में अपनी करारी हार देखकर नेताजी के पाँव तले .... खिसक गई।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए : [1]

(a) सच ही तो है तरबूज को देखकर खरबूजा रंग बदलता है।

(b) सच ही तो है खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है।

(c) सच ही तो है तरबूज को देखकर तरबूज रंग बदलता है।

(d) सच ही तो है खरबूजे को देखकर तरबूजा रंग बदलता है।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए : [1]

(a) प्राकृतिक सौंदर्यता सबका मन मोहती है।

(b) कैदी को मृत्युदण्ड दिया गया।

(c) हमें बड़ों की आज्ञा माननी चाहिए।

(d) हम देशभक्तों को शत-शत नमन करते हैं।

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए : [1]

संकट की घड़ी में ऋण प्रदान करने के लिए श्रीलंका, विश्वबैंक का <u>कृतघ्न</u> है।

(a) कृतज्ञ

(b) कृतार्थ

(c) कृत्य

(d) कृत्य-कृत्य

(B) Do as directed :

निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए। [1]

ईंट से ईंट बजाना

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए। [1]

घाट-घाट का खाना खाना

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने शत्रु सेना के सामने .... स्वीकार नहीं किया।

(a) खाक छानना

(b) घुटने टेकना

(c) आग-बबूला होना

(d) अँगूठा दिखाना

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए। [1]

अपनी दुकान बेचने के सिवाय उसके पास और कोई उपाय नहीं था।

(a) कलेजा मुँह को आना

(b) गले न उतरना

(c) चारा न होना

(d) आसमान सिर पर उठाना

(v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए। [1]

पाँचों अंगुलियाँ घी में होना

(a) बहुत लाभ होना

(b) बहुत भूख लगना

(c) बहुत प्रिय होना

(d) बहुत खुश होना

SECTION B

LITERATURE — 40 Marks

*Answer **four** questions from this Section on **any three** out of the **four** prescribed textbooks.*

पाठ्यक्रम में निर्धारित चार पुस्तकों में से किन्हीं तीन पुस्तकों के चार प्रश्नों के उत्तर इस भाग से दीजिए।

गद्य संकलन (Gadya Sanklan)

Question 4

उसने अपने सारे साहस को समेटकर दृढ़ता से कहा – "माँ, मैं कानपुर जाऊँगी।"

(i) उक्त कथन से संबंधित पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए। [1]

(ii) यह कथन किसने कहा है ? वह कानपुर क्यों जाना चाहती है ? [2]

(iii) इस कथन के पीछे वक्ता का क्या उद्देश्य था ? आप किस आधार पर कहेंगे कि वक्ता ने उचित कदम उठाया ? [2]

(iv) स्पष्ट कीजिए कि स्वतंत्रता प्राप्ति के आन्दोलन में वक्ता का त्याग भी किसी देशभक्त से कम नहीं था ? [5]

Question 5 **[10]**

'किसी के क्षणिक आडम्बर और व्यवहार पर आँख मूँदकर विश्वास कर लेना घातक सिद्ध हो सकता है।' – 'सती' कहानी के प्रसंग में मदालसा के चरित्र को ध्यान में रखते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए।

Question 6 **[10]**

'भक्तिन' एक कर्मठ नारी के संघर्षमय जीवन की कहानी है। इस कथन को भक्तिन के जीवन के चार अध्यायों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

काव्य मंजरी (Kavya Manjari)

Question 7

'अंतिम बार गोद में बेटी;
तुझको ले न सका मैं हा
एक फूल माँ के प्रसाद का
तुझको दे न सका मैं हा !'

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ? यहाँ 'मैं' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ? **[1]**

(ii) बेटी ने किससे, क्या इच्छा जाहिर की ? **[2]**

(iii) क्या वक्ता की इच्छा पूरी हो सकी ? कारण सहित उत्तर लिखिए। **[2]**

(iv) इस कविता में कवि ने किस भेदभाव को उजागर किया है ? वह किस प्रकार देश की प्रगति में बाधक है ? समझाकर लिखिए। **[5]**

Question 8 **[10]**

सूरदास जी की भक्ति भावना पर प्रकाश डालते हुए संकलित पदों के आधार पर श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं तथा माता यशोदा के वात्सल्य भाव का वर्णन कीजिए।

Question 9 **[10]**

'जाग तुझको दूर जाना है' कविता में कवयित्री स्वयं के मन तथा मानव मन को क्या संदेश देना चाहती हैं ? कविता की पंक्तियाँ कहीं-न-कहीं हम सब में एक नया उत्साह भरती हैं। कविता के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

'सारा आकाश' (Saara Akash)

Question 10

"बहुत है, बहुत है दिवाकर !" कृतज्ञता–गद्गद् स्वर में मैंने कहा, "यह हो जाए, दिवाकर, तो मेरा उद्धार हो जाएगा। तू नहीं जानता मैं कितना परेशान हूँ। घर में एक पल को चैन नही मिलता......।"

(i) वक्ता कौन है ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। **[1]**

(ii) दिवाकर कौन है ? वह वक्ता को क्या काम दिलवा रहा था ? **[2]**

(iii) वक्ता की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी ? **[2]**

(iv) "तू नहीं जानता मैं कितना परेशान हूँ। घर में एक पल को चैन नहीं मिलता......।" इस कथन के आलोक में वक्ता के घर की स्थिति का वर्णन कीजिए। **[5]**

Question 11 **[10]**

राजेन्द्र यादव ने समकालीन संदर्भों एवं समस्याओं का मंथन करते हुए 'सारा आकाश' उपन्यास की रचना की है। समर एक ऐसा पात्र है जिसका चरित्रांकन यथार्थवाद के धरातल पर किया गया है। उक्त कथन को ध्यान में रखकर समर का चरित्र चित्रण कीजिए।

Question 12 **[10]**

'सारा आकाश' केवल समर और प्रभा की ही कथा नहीं है बल्कि इसके माध्यम से लेखक ने पारिवारिक तथा सामाजिक समस्याओं को भी उजागर किया है। उपन्यास के आधार पर इस कथन की व्याख्या कीजिए। साथ ही यह भी लिखिए कि आप इस कथन से कितना सहमत हैं और क्यों ?

'आषाढ़ का एक दिन' (Aashad Ka Ek Din)

Question 13

"उनके प्रसंग में मेरी बात कहीं नहीं आती। मैं अनेकानेक साधारण व्यक्तियों में से हूँ। वे असाधारण हैं। उन्हें जीवन में असाधारण का ही साथ चाहिए था।..........सुना है राज-दुहिता बहुत विदुषी हैं।"

(i) प्रस्तुत कथन के वक्ता और श्रोता कौन हैं ? **[1]**

(ii) उक्त कथन का संदर्भ स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(iii) वक्ता ने 'असाधारण' किसे कहा और क्यों ? **[2]**

(iv) उक्त संवाद के आलोक में वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। **[5]**

Question 14 **[10]**

'राज्याश्रय में रहकर साहित्यकार का लेखन कुंठित हो जाता है।' – 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए।

Question 15 **[10]**

'कालिदास जहाँ एक तरफ अप्रतिम प्रतिभा के स्वामी हैं, तो वहीं दूसरी तरफ उनके स्वभाव में दुर्बलताओं को भी देखा गया है।' – इस कथन को ध्यान में रखते हुए कालिदास का चरित्र-चित्रण कीजिए।